तेजयुग न्यूज़ खेल

www.tejyug.com
epaper.tejyug.com

भारत ने इंग्लैंड को पारी और 64 रन से हराया : धर्मशाला टेस्ट के साथ सीरीज 4-1 से जीती; गिल-रोहित की सेंचुरी, अश्विन को 9 विकेट

धर्मशाला।

भारत ने धर्मशाला टेस्ट में इंग्लैंड को पारी और 64 रन से हारा दिया। इसी के साथ टीम इंडिया ने पांच मैचों की टेस्ट सीरीज 4-1 से जीत ली।

एचपीसीए स्टेडियम में गुरुवार को इंग्लैंड ने टॉस जीतकर बैटिंग चुनी थी। पहली पारी में इंग्लैंड 218 और टीम इंडिया 477 रन पर ऑलआउट हो गई। भारत को दूसरी पारी में 259 रन का बढ़त मिली, इंग्लैंड टीम 195 रन पर ही सिमट गई। इस तरह इंग्लिश टीम को पारी और 64 रन से हार का सामना करना पड़ा। अपना 100वां टेस्ट खेल रहे रविचंद्रन अश्विन ने मैच में 9 विकेट लिए।

यह घरेलू मैदानों पर भारत की पिछले 12 साल में लगातार 17वीं सीरीज जीत है। घर में लगातार सबसे ज्यादा सीरीज जीतने का रिकॉर्ड पहले से भारतीय टीम के नाम है। ऑस्ट्रेलिया अपने घर में लगातार 10 सीरीज जीतकर दूसरे नंबर पर है। भारत को आखिरी बार होम कंडीशन्स में किसी टेस्ट सीरीज में हार का सामना 2012 में करना पड़ा था। तब इंग्लैंड ने भारत को भारत में 2-1 से हराया था। उसके बाद से टीम इंडिया अपने घर में कोई भी सीरीज नहीं हारी है और लगातार 17 बार प्रतिद्वंद्वी टीम को ढेर किया है।

टीम इंडिया 4-1 से सीरीज जीती

भारत ने इंग्लैंड को सीरीज के पांचवें और आखिरी मैच में पारी और 64 रन से हरा दिया। टीम इंडिया ने सीरीज पर 4-1 से कब्जा कर लिया। इंग्लैंड के लिए दूसरी पारी में जो रूट 84 रन बनाकर आउट हुए। बाकी बैटर्स कुछ खास नहीं कर सके, इसलिए टीम 259 रन भी हासिल नहीं कर सकी। भारत से दूसरी पारी में रविचंद्रन अश्विन ने 5 विकेट लिए। जसप्रीत बुमराह और कुलदीप यादव ने 2-2 विकेट झटके। रवींद्र जडेजा को एक विकेट मिला। भारत के लिए पहली पारी में शुभमन गिल ने 110, रोहित शर्मा ने 103, यशस्वी जायसवाल 57, देवदत्त पडिक्कल ने 65 और सरफराज खान ने 56 रन बनाए। इंग्लैंड से शोएब बशीर ने 5 विकेट लिए। जेम्स एंडरसन और टॉम हार्टले ने 2-2 विकेट झटके। एक विकेट कप्तान बेन स्टोक्स को भी मिला।

इंग्लैंड के लिए पहली पारी में जैक क्रॉले 79 रन बनाकर आउट हुए। बाकी बैटर्स कुछ खास नहीं कर सके, इसलिए टीम 218 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। भारत से पहली पारी में कुलदीप यादव ने 5 और रविचंद्रन अश्विन ने 4 विकेट लिए। एक सफलता रवींद्र जडेजा को भी मिली।

जो रूट की पारी समाप्त, इंग्लैंड दूसरी इनिंग में 195 पर सिमटी

जो रूट कुलदीप यादव की गेंद पर एलबीडब्ल्यू हो गए हैं। उन्होंने 128 गेंदों का सामना कर 84 रन बनाए। रूट के आउट होने के साथ ही इंग्लैंड दूसरी पारी में 195 रन सिमट गई। भारत ने आखिरी टेस्ट को एक पारी और 64 रन से जीत लिया है।

शोएब बशीर बोल्ड हुए

शोएब बशीर को रवींद्र जेडजा ने बोल्ड कर दिया। इसके साथ ही इंग्लैंड का 9वां विकेट गिरा। बशीर 29 गेंदों पर 13 रन बनाकर आउट हुए।

जो रूट की फिफ्टी

जो रूट ने जसप्रीत बुमराह की बॉल पर चौका लगाकर अपनी फिफ्टी पूरी की। उन्होंने 88 बॉल पर अर्धशतक लगाया। यह उनके टेस्ट करियर की 61वीं हाफ सेंचुरी है।

वुड बिना खाता खोले आउट

मार्क वुड बिना खाता खोले आउट हो गए। उन्होंने 2 गेंदों का सामना किया। वह जसप्रीत बुमराह की गेंद पर एलबीडब्ल्यू आउट हो गए। इस तरह इंग्लैंड का दूसरी पारी में 152 के स्कोर पर 8 विकेट गिर चुका है।

बुमराह ने हार्टले को आउट किया

टॉम हार्टले जसप्रीत बुमराह की गेंद पर एलबीडब्ल्यू हो गए। उन्होंने 24 गेंदों का सामना कर 20 रन बनाए। बुमराह का इस इनिंग में पहला विकेट है।

फोक्स को अश्विन ने बोल्ड किया

विकेटकीपर-बैटर बेन फोक्स के विकेट के साथ इंग्लैंड को दूसरी पारी में छठा झटका लगा। रविचंद्रन अश्विन ने फोक्स को बोल्ड किया। अश्विन का इस इनिंग में यह पांचवां विकेट रहा। फोक्स ने 17 गेंदों का सामना कर 8 रन बनाया।

टीम इंडिया ने खत्म किया 92 साल का घाटा

पहली बार टेस्ट में जीत की संख्या हार के बराबर हुई, अब तक 178 मैच जीते

भारत ने धर्मशाला में पाचवें टेस्ट में इंग्लैंड को पारी और 64 रन से हरा दिया। इसके साथ ही भारतीय टीम ने पांच मैचों की सीरीज 4-1 से जीत ली है। इस नतीजे की बदौलत टीम इंडिया ने टेस्ट क्रिकेट में पिछले 92 साल से चला आ रहा एक घाटा खत्म कर दिया है। भारत ने 1932 में टेस्ट खेलना शुरू किया और धर्मशाला में हुए मुकाबसे से पहले तक भारत की हार की संख्या जीत से ज्यादा थी। अब जीत-हार का हिसाब बराबर हो गया है। अब भारत के नाम 579 टेस्ट मैचों में 178 जीत और इतनी ही हार हैं। 1 टेस्ट टाई रहा है और 222 ड्रॉ रहे हैं।

चार टीमों के नाम जीत ज्यादा हार कम

टेस्ट क्रिकेट में सिर्फ चार टीमें ऐसी हैं जिनके नाम हार की तुलना में जीत ज्यादा है। इनमें ऑस्ट्रेलिया (413 जीत, 232 हार), इंग्लैंड (392 जीत, 324 हार), साउथ अफ्रीका (178 जीत, 161 हार) और पाकिस्तान (148 जीत, 142 हार) शामिल हैं। भारत ने अब जीत और हार के आंकड़े बराबर कर दिए हैं। हाल-फिलहाल भारतीय टीम जैसा खेल दिखा रही है उससे यही उम्मीद है कि जल्द ही हमारी टीम भी हार की तुलना में ज्यादा जीत हासिल कर लेगी।

इस सदी में बदला भारत का ट्रेंड

टेस्ट क्रिकेट में भारत को पहले एक डिफेंसिव टीम कहा जाता था। यानी ऐसी टीम जो यह कोशिश करती थी कि किसी तरह हार टाली जाए। इस कोशिश में जीत कम मिलती ही थी, हार और ड्रॉ की संख्या तेजी से बढ़ी। 1932 से लेकर साल 2000 तक भारत ने 336 टेस्ट मैच खेले थे। इनमें भारत को सिर्फ 63 में जीत मिली थी। 112 मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा, जबकि 1 टेस्ट मैच टाई रहा और 160 ड्रॉ समाप्त हुए। इस सदी में (1 जनवरी 2001 से) भारत के खेलने का रुख ज्यादा आक्रामक हुआ। शुरुआत सौरभ गांगुली की कप्तानी से हुई और बाद में इसे महेंद्र सिंह धोनी, विराट कोहली और रोहित शर्मा ने भी कायम रखा। इस सदी में भारत ने अब तक 243 टेस्ट मैच खेले हैं। इनमें 114 में टीम को जीत मिली और सिर्फ 66 में हार का सामना करना पड़ा। 62 टेस्ट ड्रॉ रहे।

घर में ऐसी बादशाहत पहले नहीं देखी गई

पिछले कुछ सालों में भारत की कामयाबी के पीछे घरेलू जमीन पर बादशाहत का बहुत बड़ा योगदान रहा है। भारत ने 2012 में आखिरी बार घरेलू जमीन पर कोई टेस्ट सीरीज गंवाई थी। तब इंग्लैंड ने हमारी टीम को भारत में आकर 2-1 से हराया था। इसके बाद से टीम लगातार 17 टेस्ट सीरीज जीत चुकी है। घर में पिछले 51 टेस्ट मैचों में भारत को सिर्फ 4 में हार का सामना करना पड़ा है। 39 में टीम जीती है और 7 टेस्ट ड्रॉ रहे हैं। ओवरऑल भी घर में भारत का रिकॉर्ड शानदार रहा है। भारत ने अपनी जमीन पर अब तक 289 टेस्ट मैच खेले हैं। इनमें टीम को 117 में जीत मिली है और 55 में हार का सामना करना पड़ा है। 1 टेस्ट टाई रहा और 115 ड्रॉ रहे।

विदेश में भी सुधरा टीम इंडिया का प्रदर्शन

पिछली सदी में (1932 से 2000 तक) भारत के ओवरऑल कमजोर रिकॉर्ड के पीछे विदेशी जमीन पर खराब खेल दिखाना बहुत बड़ा कारण था। 1993 से 2000 तक भारत ने विदेश में 157 टेस्ट खेले थे। इनमें से सिर्फ 14 में टीम को जीत मिली थी। 70 में हार का सामना करना पड़ा था। 73 ड्रॉ रहे थे।

1 जनवरी 2001 से अब तक भारत ने विदेश में 131 टेस्ट मैच खेले। इनमें 46 में जीत मिली और 51 में हार। 34 टेस्ट ड्रॉ रहे। 2015 की शुरुआत से यह रिकॉर्ड और भी बेहतर हो गया। इन 9 सालों में भारत ने विदेश में 46 टेस्ट मैचों में से 22 में जीत हासिल की और 16 में उसे हार मिली। 8 टेस्ट ड्रॉ रहे।

विराट सबसे सफल कप्तान

टेस्ट क्रिकेट में विराट कोहली भारत के सबसे सफल कप्तान साबित हुए हैं। विराट की कप्तानी में भारत ने 68 में से 40 टेस्ट जीते। 17 में हार मिली और 11 टेस्ट ड्रॉ रहे। इसके बाद महेंद्र सिंह धोनी और सौरव गांगुली का नंबर आता है। 16 टेस्ट में 10 जीत के साथ रोहित शर्मा टेस्ट क्रिकेट में भारत के पांचवें सबसे सफल कप्तान बन गए हैं।

बीसीसीआई ने टेस्ट प्लेयर्स की मैच फीस बढ़ाई : एक सीजन में 75% मैच खेलने वाले खिलाड़ी को एक मैच के 45 लाख मिलेंगे

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने टेस्ट खेलने वाले अपने खिलाड़ियों की मैच फीस बढ़ाने का ऐलान कर दिया है। सीजन के 75% मैच खेलने वाले खिलाड़ियों को एक टेस्ट खेलने के 45 लाख रुपए मिलेंगे। वहीं 50% से 74% खेलने वाले खिलाड़ियों को 30 लाख मिलेंगे। बीसीसीआई ने यह ऐलान शनिवार को टीम इंडिया के धर्मशाला टेस्ट जीतने के बाद किया। यह मैच फीस सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट के अलावा मिलेगी।

हाल ही में एक रिपोर्ट आई थी जिसमें बीसीसीआई द्वारा खिलाड़ियों को टेस्ट क्रिकेट की ओर आकर्षित करने के लिए फीस बढ़ाने के साथ-साथ इंशेटिव राशि? बढ़ाने की बात कही गई थी। बीसीसीआई की योजना आईपीएल 2024 के बाद टेस्ट मैच फीस में बढ़ोतरी और इंसेटिव स्कीम को लागू करने की थी। लेकिन, बोर्ड ने धर्मशाला जीत के बाद ही ऐलान कर दिया।

भारत धर्मशाला टेस्ट पारी और 64 रन से जीता

भारत ने धर्मशाला टेस्ट में इंग्लैंड को पारी और 64 रन से हारा दिया। इसी के साथ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज 4-1 से जीत ली। एचपीसीए स्टेडियम में गुरुवार को इंग्लैंड ने टॉस जीतकर बैटिंग चुनी। पहली पारी में इंग्लैंड 218 और टीम इंडिया 477 रन पर ऑलआउट हो गई। भारत को दूसरी पारी में 259 रन का बढ़त मिली, इंग्लैंड टीम 195 रन पर ही सिमट गई। इस तरह इंग्लिश टीम को पारी और 64 रन से हार का सामना करना पड़ा। अपना 100वां टेस्ट खेल रहे रविचंद्रन अश्विन ने मैच में 9 विकेट लिए।

कई खिलाड़ी टी-20 खेलने में लगे

पिछले दिनों बीसीसीआई ने सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट में शामिल खिलाड़ियों को लेकर वॉर्निंग दी थी। बोर्ड ने कहा था कि जो खिलाड़ी फिट हैं और नेशनल टीम का हिस्सा नहीं हैं तो उन्हें घरेलू क्रिकेट खेलना ही होगा। इसके बावजूद ईशान किशन, क्रुणाल पंड्या और दीपक चाहर जैसे खिलाड़ियों ने अपने स्टेट के लिए रणजी ट्रॉफी मैच नहीं खेला। ईशान, क्रुणाल और चाहर ने फरवरी में ही आईपीएल की तैयारी करना शुरू कर दिया। ईशान मुंबई इंडियंस, पंड्या लखनऊ सुपरजायंट्स और चाहर चेन्नई सुपरकिंग्स से खेलते हैं।

हैमिल्टन मसाकाद्जा ने जिम्बाब्वे क्रिकेट डायरेक्टर का पद छोड़ा : टीम टी-20 वर्ल्ड कप में नहीं पहुंच सकी; 3 महीने पहले हटे थे कोच

पूर्व क्रिकेटर हैमिल्टन मसाकाद्जा ने जिम्बाब्वे क्रिकेट के डायरेक्टर का पद छोड़ दिया है। उनकी टीम 2024 के टी-20 वर्ल्ड कप के लिए क्वालिफाई नहीं कर सकी, इसीलिए मसाकाद्जा ने यह फैसला लिया। 3 महीने पहले टीम के कोच डैव हटन ने भी अपना पद छोड़ दिया था। मसाकाद्जा ने 2019 में क्रिकेट से रिटायरमेंट लिया था। उन्हें फिर इसी साल अक्टूबर में डायरेक्टर का पद सौंप दिया गया।

युगांडा से हारना निराशाजनक

मसाकाद्जा ने अपने रेजिग्नेशन लेटर में लिखा, मैंने जिम्बाब्वे क्रिकेट की सक्सेस और असफलता को देखने के बाद बहुत ध्यान से पद छोड़ने का फैसला किया। मेरे करियर में टीम को सफलता मिली लेकिन टी-20 वर्ल्ड कप के लिए क्वालिफाई नहीं कर पाना निराशाजनक है। हम एकमात्र फुल मेंबर टीम है, जो टी-20 वर्ल्ड कप में हिस्सा नहीं लेगी। युगांडा के खिलाफ हारना टीम और मेरे करियर का सबसे खराब फेज है। मैं इस बात की पूरी जिम्मेदारी लेकर अपने पद को छोड़ता हूं।

2 साल बाद अंडर-19 वर्ल्ड कप होस्ट करेगा जिम्बाब्वे

मसाकाद्जा ने कहा, मेरे लिए यह फैसला लेना मुश्किल था लेकिन मैं अब भी जिम्बाब्वे क्रिकेट से जुड़ा रहूंगा। 2026 में होने वाले अंडर-19 वर्ल्ड कप और 2027 के वनडे वर्ल्ड कप की मेजबानी पर अब भी मेरा फोकस रहेगा। 2027 का वनडे वर्ल्ड कप जिम्बाब्वे, नामीबिया और साउथ अफ्रीका की मेजबानी में आयोजित होगा। जबकि 2026 का अंडर-19 वर्ल्ड कप जिम्बाब्वे और नामीबिया की मेजबानी में खेला जाएगा।

मसाकाद्जा की लीडरशिप में टीम ने 2022 का वर्ल्ड कप खेला

मसाकाद्जा 2019 से 2024 तक जिम्बाब्वे क्रिकेट के डायरेक्ट रहे। इस दौरान टीम ने 2022 के टी-20 वर्ल्ड कप में क्वालिफाई किया। टीम सुपर-12 स्टेज में पहुंची और पाकिस्तान को ग्रुप स्टेज के मुकाबले में मात भी दी।

दो बार के पैरालंपिक स्वर्ण पदक विजेता देवेंद्र झाझरिया निर्विरोध पीसीआई अध्यक्ष चुने गये

पैरालंपिक में दो स्वर्ण पदक जीतने वाले देवेंद्र झाझरिया शनिवार को निर्विरोध भारतीय पैरालंपिक समिति (पीसीआई) के अध्यक्ष चुने गये। वह एक और मशहूर पैरा एथलीट दीपा मलिक की जगह लेंगे। 2004 एथेंस और 2016 रियो पैरालंपिक में एफ 46 श्रेणी में स्वर्ण पदक जीतने वाले 42 वर्षीय झाझरिया इस शीर्ष पद के लिए एकमात्र उम्मीदवार थे। बल्कि सभी नये पदाधिकारी निर्विरोध चुने गए।

पीसीआई के चुनाव अध्यक्ष, दो उपाध्यक्ष, महासचिव, कोषाध्यक्ष, दो संयुक्त सचिव और पांच कार्यकारी समिति सदस्यों के पदों के लिए हुए। शुरू में आठ

उम्मीदवारों ने पांच कार्यकारी समिति सदस्यों के पद के लिए अपना नामांकन पत्र दाखिल किया, लेकिन बाद में उनमें से तीन ने नाम वापस ले लिया। यह औपचारिकताओं को पूरा करना था और निर्वाचन अधिकारी उमेश सिन्हा ने झाझरिया के नेतृत्व में सभी नये पदाधिकारियों को चुनाव प्रमाण पत्र सौंपे।

गोवा के अंतरराष्ट्रीय कोच और रेफरी जयवंत हम्मनवर को निर्विरोध महासचिव चुना गया। आर चन्द्रशेखर और सत्य प्रकाश सांगवान दो उपाध्यक्ष होंगे जबकि सुनील प्रधान कोषाध्यक्ष पद के लिए अकेले उम्मीदवार थे। ललित ठाकुर और टी दिवाकर दो संयुक्त सचिव हैं। समय पर चुनाव नहीं कराने के बाद पिछले महीने खेल मंत्रालय ने पीसीआई को निलंबित कर दिया था। लेकिन पांच मार्च को पीसीआई द्वारा चुनाव प्रक्रिया शुरू करने के बाद मंत्रालय ने निलंबन रद्द कर दिया।